राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2024, शुक्ल पक्ष (ज्येष्ठ) विक्रम संवत - 2081, जून

समरसता के सूत्र

कोई ऊंचा नहीं, कोई नीचा नहीं, सब भगवान के स्वरूप हैं।

- माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (श्री गुरूजी)

हम तो समाज को ही भगवान मानते हैं, दूसरा हम जानते नहीं। समष्टिरूप भगवान की सेवा करेंगे। उसका कोई अंग अछूत नहीं, कोई हेय नहीं है। उसका एक-एक अंग पवित्र है, यह हमारी धारणा है। हम इस धारणा के आधार पर समाज बनाएंगे। यह हमारा समाज है। अपना समाज हम एकरस बनाएंगे। उसका अनेक प्रकार का कर्तृत्व, उसकी बुद्धिमत्ता सामने लाएंगे, उसका विकास करेंगे।

महात्माजी ने अस्पृश्यता निवारण को कांग्रेस के कार्यक्रमों में सम्मिलित कराया और उसके लिए बड़े प्रयत्न किए। उसका परिणाम क्या हुआ? हरिजन दूर गए। अलग नाम देने से पृथकता की भावना बढ़ी। गांधीजी ने तो यह नाम इसलिए दिया था कि पुराने नामों के साथ जो 'असोसिएशन्स' (स्मृतियां) हैं उनके कारण जो भाव मन में उत्पन्न होते हैं वे इस 'हरिजन' नाम के साथ उत्पन्न नहीं होंगे। उन्होंने सोचा तो ठीक था, पर वह भाव दूर नहीं हुआ।

दलित वर्ग, उपेक्षित वर्ग जैसे शब्दों में अपने समाज के बहुत बड़े वर्ग का उल्लेख किया जाता है। अब इस सम्बंध में इतना तो स्पष्ट ही है कि अपने समाज की पिछले कुछ वर्षों जैसी अवस्था रही, उसके परिणामस्वरूप समाज का बहुत बड़ा बंधु-वर्ग व्यावहारिक शिक्षा से अत्यधिक वंचित रहा है। इसीलिए उसकी अर्थ-उत्पादन की क्षमता कम हो गई है और उसे दैन्य दारिद्र्य का सामना करना पड़ रहा है। समाज में इस वर्ग के प्रति आदर की भावना भी कम हुई है। पूर्व काल में इन बंधुओं को पूरा सम्मान प्राप्त था। पंचायत व्यवस्था में उनका भी एक प्रतिनिधि रहता था। यह व्यवस्था बहुत प्राचीन काल से हमारे यहां लागू थी। प्रभु रामचन्द्र जी की राज्य व्यवस्था का भी जो वर्णन है, उसमें चार वर्णों के चार प्रतिनिधि और पांचवां निषाद यानी अपने इन वनवासी बंधुओं का प्रतिनिधि मिलकर पंचायत का उल्लेख आता है। इस प्रकार उन्हें सम्पूर्ण व्यवस्था में अत्यन्त प्रतिष्ठा का स्थान प्राप्त था। परन्तु बीच कालखण्ड में वह व्यवस्था टूट गई।

इन बन्धुओं का इतिहास में भी बड़ा तेजस्वी योगदान रहा है। मेवाड़ की रक्षा के लिए इन बंधुओं के पराक्रम का बहुत गौरव से भरा पृष्ठ है। मेवाड़ में विधर्मियों के आक्रमण के समय धर्म-रक्षा के लिए जो गौरवशाली संघर्ष हुआ, उसमें वनों में रहने वाले ये भील बंधु राजपूतों के साथ खड़े हुए। अनेक वर्षों तक संघर्ष चलता रहा। उसमें अनेक मारे गए। केवल स्त्रियां और बच्चे बचे। बच्चे बड़े हुए तो वे भी धर्म के लिए जूझते रहे। इस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी वे पराक्रम करते रहे। धर्म-रक्षक, महाप्रतापी सूर्य राणा प्रताप के साथ खड़े होकर उन्होंने प्राणों की बाजी लगाई और अनेक कष्ट सहन किए। परन्तु बाद में उनका वह उज्ज्वल इतिहास हम भूल गए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में हरिजन गैर-हरिजन जैसा कोई विचार नहीं होता। हम कहते हैं कि हम हिन्दू हैं। हमारे लिए इतना पर्याप्त है। हम किसी अन्य बात की चिंता नहीं करते। हमने हमेशा इसी तरह का व्यवहार किया है। हमारे लिए हिन्दू समाज का अंग होना ही महत्व की बात है। जाति, पंथ या अन्य किसी भी बात का हमारे लिए कोई महत्व नहीं है।कैसे पटे ये खाई।

आज समाज का चित्र ऐसा दिखाई देता है कि हृदय पीड़ा से भर आता है। बहुत दुःख चारों ओर छाया है। भूखे-प्यासे, नंगे, रोगी, बीमार-गली-गली में सड़क के किनारे-किनारे पर दिखाई देते हैं। अब इन सबका भार कोई एक आदमी कहे कि मैं वहन करूंगा तो वह संभव नहीं है। हां, सब मिलकर कहेंगे कि हम इस दुःखदैन्य को हटाने के लिए, अपने बंधुओं की सहायता के लिए प्रयत्न करेंगे तो हो सकता है। जनता की सम्मिलित शक्ति में भगवत् प्रेरणा होती है। यह सात्विक शक्ति होती है। यह भगवद् शक्ति ही सबका उदर भरण कर सकती है। चारों ओर आज दुर्भिक्ष की छाया है। इसके कारण कठिन समय दिखाई दे रहा है। इस स्थिति में हम सब ऐसा प्रयत्न करें कि किसी मनुष्य को भूखा नहीं रहने देंगे। प्रत्येक को ऐसा समझना है कि किसी एक पीड़ित बंधु का भार उसके ऊपर ही है। पीड़ित और पिछड़े-बंधुओं की रक्षा-निमित्त और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की शक्ति प्रदान करने के लिए गांव का गांव हम दत्तक ले सकते हैं।

कई बार लोग धार्मिक बनने का अर्थ विचित्र-सा लगा लेते हैं। त्रिपुंड लगाते हैं। चंदन लगाते हैं। घंटी बजा-बजाकर लम्बी-चौड़ी पूजा कर लेते हैं। ध्यान लगाते हैं। परन्तु समाज का ध्यान नहीं लगाते ! यह सब तो धार्मिक बनने का आभास उत्पन्न करना हुआ। सच्चा धर्म तो हमारा यही है कि यह समाज अपना है। अतः हम इसका चिंतन करें और हर एक आदमी स्वयं भू-पोषण कर सके। ऐसा स्वाभिमान उसमें निर्माण करें। जितने दीनः दुखी मिलें, वे सब भगवान के स्वरूप हैं, भगवान ने अपनी सेवा का अवसर हमें इस प्रकार प्रदान किया है ऐसा समझें और उनकी प्रत्यक्ष सेवा इस भाव से करने के लिए उद्यत हों। अब तक व्यक्तिगत स्वार्थ भरपूर हो चुका। परन्तु ऐसा स्वार्थ किस काम का, जिससे दूसरे को दुःख हो। इसलिए समाज की भलाई में अपने सब व्यवहार व्यवस्थित करने चाहिए। ('श्री गुरुजी समग्र दर्शन' से संकलित) ■

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय -झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 43045 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

अवध प्रान्त

सेवा भारती अवध प्रान्त के द्वारा किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग 31 मई से 08 जून तक आयोजित किया जा गया। यह प्रशिक्षण वर्ग किशोरियों को सेवा कार्य, समाज में परिवर्तन, और स्वयं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के बारे में चर्चा करने का एक माध्यम हैं।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथियों मा. युद्धवीर जी (क्षेत्र सेवा प्रमुख), सेवा भारती के अध्यक्ष श्री रवीन्द्र सिंह गंगवार जी, सेवा भारती के प्रान्त कार्यकारणी के सदस्य एवं विभाग के कार्यकर्त्ता उपस्थित रहें।

उद्घाटन सत्र में मा. युद्धवीर जी ने किशोरियों को सेवा कार्य क्यों, कैसे व सेवा द्वारा समाज एव स्वयं के जीवन में परिवर्तन विषय पर चर्चा की। माननीय अध्यक्ष श्री रवीन्द्र सिंह गंगवार जी किशोरियों को वर्ग में उत्साहपूर्वक वर्ग में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। सत्र का उद्घाटन एक ऐसा मंच था जहां विचारों और अनुभवों को साझा करने का एक माध्यम था, जो किशोरियों को एक सकारात्मक दिशा में अग्रसर करता है।

प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह में राष्ट्रीय सेवा भारती की महामंत्री आदरणीया डॉ. रेणु पाठक जी ने मुख्य अतिथि के रूप में मार्गदर्शन दिया। इस आयोजन का उद्देश्य किशोरियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियाँ, जैसे व्यक्तित्व विकास, कौशल प्रशिक्षण, और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गईं। समापन समारोह में मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरियों ने भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रान्त : जम्मू कश्मीर

उत्तर प्रदेश से आई बस की सड़क दुर्घटना में 22 लोगों की मृत्यु हुई और 60 लोग घायल हुए। अस्पताल में भर्ती हुए घायल लोगों को सेवा भारती जम्मू कश्मीर के कार्यकर्ताओं द्वारा सुबह का नाश्ता वितरण किया गया।

प्रान्त : जोधपुर

भारतीय समिति जोधपुर द्वारा संचालित सेवाधाम छात्रावास एवं बालिका छात्रावास सेवाकुंज की प्रवेश चयन परीक्षा दिनांक 9 जून 2024 को रही ,इसमें 166 बालक और बालिकाओं ने कक्षा छठी ,सातवीं एवं आठवीं में प्रवेश हेतु परीक्षा दी।

प्रान्त : मालवा

धन्वंतरि आरोग्य रथ योजना का शुभारंभ उज्जैन नगर के निकटवर्ती गाँव एवं पंचकोशी मार्ग के सीमावर्ती गाँवों में आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु माधव सेवा न्यास उज्जैन मालवा प्रान्त द्वारा आरम्भ की गई धन्वंतरि आरोग्य रथ योजना दिनाँक 5 जून, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव केशवराव गोलवलकर **"गुरुजी"** की 51 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज (श्री रामानुज कोट रामघाट) द्वारा धन्वंतरि आरोग्य रथ का शुभारंभ भारत माता मंदिर स्थित श्री महाकालेश्वर भक्त निवास पर हुआ। आरोग्य रथ में आयुर्वेद औषधियों के साथ एक वैद्य रहेंगे जो चिन्हित 18 अभावग्रस्त गाँवों में (प्रतिदिन/एक गाँव) जाएंगे तथा निःशुल्क चिकित्सा एवं औषधि वितरण करेंगे। आयुष विभाग के सेवानिवृत्त चिकित्सक 2 अन्य सदस्यों के साथ अपनी सेवाएं देंगे। उज्जैन नगर के प्रतिष्ठित वैद्य भी प्रतिदिन अपनी सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर बाल योगी श्री उमेश नाथ जी महाराज (श्री वाल्मिकी धाम पीठाधीश्वर उज्जैन) एवं मध्यप्रदेश शासन के आयुष व तकनीकी शिक्षा व उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार उपस्थित थे। इंदर सिंह जी के द्वारा उज्जैन नगर में स्थित शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय को शीघ्र ही अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान बनाने की घोषणा की गई। रंगनाथाचार्य जी ने महाभारत में श्री कृष्ण व युधिष्ठिर के एक प्रसंग द्वारा वृक्षारोपण के लिए नगरवासियों से आव्हान किया और सभी अतिथियों ने रुद्र सागर के किनारे बरगद, पीपल व नीम के त्रिवेणी का पौधा रोपण किया।कार्यक्रम में दो विशिष्ठ नागरिकों, प्रतिष्ठित विद्या प्रोफेसर डी के खरे एवं माटी कलाकार जितेंद्र जी परमार का सम्मान माधव सेवा न्यास के पदाधिकारी तथा अतिथिगणों द्वारा किया गया।

प्रान्त : पंजाब

सेवा भारती राजपुरा द्वारा पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में अपने स्कूल में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी मेधावी विद्यार्थी अपने साथ अपने माता-पिता एवं स्कूल शिक्षकों को साथ लेकर सम्मान समारोह में बड़े उत्साह से पहुंचे।

उत्तीर्ण आये बच्चों को सेवा भारती की और से एक स्मृति चिन्ह , स्कूल बैग, नोटबुक्स और पैन इत्यादि देकर सम्मानित किया गया।

प्रान्त : मालवा

51 सेवा बस्तियों में लगे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर : 5000 से अधिक लाभान्वित गुरुजी की 51वें निर्वाण दिवस दिनाँक 5 जून को 51 सेवा बस्तियों में एक साथ लगे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर स्वस्थ मानव से ही समद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है।इसी ध्येय वाक्य के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक तथा विचारक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर "गुरुजी" की 51वीं पुण्यतिथि पर श्री गुरुजी सेवा न्यास, सेवा भारती इंदौर,मालवा प्रान्त एवं सेंट्रल लैब के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इंदौर महानगर की चयनित 51 बस्तियों में किया गया।लगभग 1 सप्ताह पूर्व से ही सेवा विभाग एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता पंजीयन करने की प्रक्रिया में जुट गए थे। प्रत्येक बस्ती में जाकर वहाँ के रहवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया एवं स्वास्थ्य शिविर की जानकारी व महत्ता को समझाने की बागडोर बस्ती कार्यकर्ताओं ने संभाली।प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित किये गए सभी शिविरों में किडनी, लीवर, रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, आखों की जाँच, दन्त रोग आदि का परीक्षण किया गया जिससे लगभग 5100 रोगी लाभान्वित हुए। साथ ही शिविर के लाभार्थी आगामी 7 दिनों तक श्री गुरुजी सेवा न्यास में विशेषज्ञ डाक्टरों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकेंगे।

प्रान्त : जोधपुर

सेवा भारती अनूपगढ़ मजहबी सिख बस्ती में नि:शुल्क नेत्र जांच, एक्युप्रेशर एवँ स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सेवा भारती जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ वीरपाल वर्मा एवं तहसील स्वास्थ्य आयाम प्रमुख राजकीय फार्मासिस्ट दिनेश जी मिड्ढा के सानिध्य मे सम्पन्न हुआ । शिविर में 40 बस्तिवासियों के स्वास्थ्य जांच कर नि:शुल्क दवा वितरित की गई

प्रान्त : दक्षिण बंग

26 मई, 2024, रविवार को समाज सेवा भारती पश्चिमबंग द्वारा एक अभिनव पहल **"झोला पुस्तकालय"** परियोजना का उद्घाटन समारोह केशव भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें दक्षिण बंग संघ चालक जयंत पाल, दक्षिण बंग प्रांत प्रचारक प्रशांत भट्ट और दक्षिणबंग सेवा प्रमुख धनंजय घोष सहित अन्य गणमान्य अतिथि शामिल थे। **"झोला पुस्तकालय"** एक नई प्रकार की पुस्तकालय प्रणाली है, जिसका उद्देश्य शिक्षा, मनोरंजन और सूचना के प्रसार के माध्यम से समाज में पिछड़े वंचित छात्रों को जोड़कर मौलिक शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन और व्यक्तिगत विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करना है। पुस्तकालयों को आज के समाज का अभिन्न अंग मानते हुए इस परियोजना का उद्देश्य छात्रों को उनके घर के दरवाजे पर ही उपयोगी पुस्तकें वितरित करके समाज की समतावादिता को ऊपर उठाना है, जिससे समाज में समानता की भावना में सुधार की शुरुआत हो। यह शिक्षा, साहित्य, शोध और आनंद के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करना चाहता है। आशा है कि पाठक इन पुस्तकों से शिक्षा और संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त करके खुद को समृद्ध करेंगे। भविष्य में, विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन और पुरस्कार वितरण करके, परियोजना के दायरे में बच्चों और किशोरों में पढ़ने के प्रति उत्साह बढ़ाया जाएगा। परियोजना के हिस्से के रूप में, प्रत्येक मोबाइल लाइब्रेरी कार्यकर्ता को एक साइकिल और दो झोला बैग (जूट के थैले) प्रदान किए जाते हैं, जो साइकिल से सेवा बस्ती क्षेत्रों में छात्रों को किताबें वितरित करेंगे और वे पुस्तकालय में एक रजिस्टर में इसका हिसाब रखेंगे।

प्रान्त : पंजाब

सेवा भारती बरनाला की तरफ से वरिष्ठ नागरिको के सहयोग से लगाया गया केंप जिस में विशेष तौर पर सेवा भारती पंजाब के महामंत्री डॉ. अजय गांधी उपस्थित हुए , उन्होंने लगभग 80 मरीजों का चेकअप किया।

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता- बोर्ड परीक्षा के परिणामों में छात्रावासों की सफलता

छात्रावास के दसवीं और बाहरवीं के परीक्षा परिणाम 2024

सीमाजन छात्रावास - जैसलमेर

दसवीं बोर्ड रिजल्ट 2024: उत्तीर्ण -09

1	2	3
गेना राम	दशरथ सिंह	रमण सिंह
90.17 %	79.83 %	79.55 %

बाहरवी बोर्ड रिजल्ट 2024: उत्तीर्ण -09

1	2	3
महेन्द्र सिंह	परमेश्वर	पन्ना राम
82.10 %	80.40 %	80.00 %

सीमाजन छात्रावास - चौहटन

बाहरवीं बोर्ड रिजल्ट 2024:उत्तीर्ण - 08

1	2	3
मोती सिंह	छोटू सिंह पृथ्वी सिंह	खेत सिंह
92.20%	84.80%	78.80 %

सेवाधाम छात्रावास - जोधपुर

दसवीं बोर्ड रिजल्ट 2024: उत्तीर्ण -12

1	2	3
दीनाराम पँवार	जसराज परिहार लक्ष्मण पँवार	अमरेन्द्र
92.67 %	92.17 %	86.67 %

कक्षा 8वी बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024

सेवा कुंज बालिका छात्रावास, जोधपुर

श्रेणी A	श्रेणी B
उत्तीर्ण-04	उत्तीर्ण-02

सेवा धाम छात्रावास, जोधपुर

श्रेणी A	श्रेणी B
उत्तीर्ण-06	उत्तीर्ण-04

सीमाजन छात्रावास -जैसलमेर

श्रेणी A	श्रेणी B
उत्तीर्ण-06	उत्तीर्ण-11

आत्मनिर्भर महिलाओं का अपना प्रादर्श

सुयसेवा ट्रस्ट, पेरम्बलुर, उत्तर तमिलनाडु

■ **श्रीमती मेघा प्रमोद**

महिलाएँ भारत की आबादी का लगभग 50% हिस्सा अर्थव्यवस्था में अपने हिस्से के हिसाब से बनाती हैं और ग्रामीण वित्तीय सेवाओं, तकनीकी विशेषज्ञता आदि तक उनकी पहुंच बहुत कम है। महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए, सरकार और नागरिक समाज संगठनों द्वारा बहुत सारे कार्यक्रम लागू किए गए। 1990 के दशक में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार और नागरिक समाज संगठनों द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल **"स्वयं सहायता समूह"** का शुभारम्भ किया गया। उत्तर तमिलनाडु क्षेत्र में कार्यरत ऐसा ही एक आदर्श समूह है सुयसेवा ट्रस्ट।

सुय सेवा ट्रस्ट:

सुया सेवा माइक्रो फाइनेंशियल सर्विसेज एक गैर-सूचीबद्ध निजी कंपनी है जिसे 18 मई, 2005 को शामिल किया गया था। इसे गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह तमिलनाडु के पेरम्बलुर में स्थित है।

सुयसेवा ट्रस्ट 2004 में गठित **"म्युचुअल बेनिफिट ट्रस्ट एक्ट"** के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों (Self Help Group) का पंजीकृत संघ है। प्रत्येक ट्रस्ट का गठन 250 से 500 एसएचजी द्वारा किया जाता है, जिसे "सुबिक्षा" द्वारा प्रवर्तित किया जाता है। न्यासी बोर्ड का चयन सदस्य एसएचजी द्वारा किया जाता है। पूरी प्रक्रिया को न्यासी बोर्ड और मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष की नियुक्ति " सुबिक्षा" द्वारा की जाती है और मुख्य कार्यकारी अधिकारी(CEO) और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति न्यासी बोर्ड द्वारा की जाती है। सदस्य एसएचजी परस्पर समझौते के साथ 200 रुपये के प्रलेखन शुल्क के साथ 2000 रुपये की एक बार सदस्यता शुल्क का भुगतान करते हैं। सुयसेवा ट्रस्ट क्षेत्रीय स्तर पर एसएचजी के एक शीर्ष संगठन के रूप में कार्य करता है ताकि एसएचजी की बहीखाता पद्धति, क्षमता निर्माण और सुविधाजनक बैंक ऋण की निगरानी की जा सके।

सुयसेवा वित्तीय सेवाएं :-

हालांकि बैंक स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान कर रहे हैं, उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य एसएचजी के लिए दूर के लक्ष्य हैं। SSMFS का गठन 2005 में कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत पंजीकृत SHGs के SUYASEVA ट्रस्टों द्वारा सदस्य SHGs को निरंतर आर्थिक विकास और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए किया गया है। SSMFS वाणिज्यिक बैंकों के साथ या बिना साझेदारी के स्वयं सहायता समूहों के लिए समय पर एक सस्ती और पर्याप्त मात्रा में ऋण प्रदान करने के लिए एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है।

अब, SSMFS को 5 सुयसेवा ट्रस्टों द्वारा प्रबंधित किया जाता है और इसकी शेयर पूंजी रु.19.98 लाख है। इसका 30 करोड़ रुपये का स्रोत ऋण सदस्य एसएचजी की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अब, SSMFS ने सदस्य SHG की क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ICICI, HDFC, स्वर्णप्रगति हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन, PACB और अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ साझेदारी की है।

सामाजिक -आर्थिक सशक्तिकरण पर सुयसेवा का प्रभाव:-

सुया सेवा मॉडल ने 32874 परिवारों को 2347 एसएचजी (SHG) में शामिल करके एसएचजी कार्यक्रम की दीर्घकालिक स्थिरता का प्रदर्शन किया। अभी तक, सदस्य एसएचजी को आजीविका गतिविधियों को स्थापित करने/सुदृढ करने के लिए 590 करोड़ रुपये प्रदान किए जाते हैं।

"सुश्री सीता, विनायक एसएचजी, अर्चनापुरम" ने सुयासेवा एसएचजी कार्यक्रम के साथ अपने अनुभव के बारे में बताया। मैं विनायक एसएचजी की सदस्य हूं, जिसका गठन 05 जनवरी 2008 को 18 सदस्यों के साथ किया गया था। एसएचजी में हमारी बचत 477360 रुपये है और सदस्यों को 1283500 रुपये का आंतरिक ऋण प्रदान किया और सुयासेवा, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंकों से 70.60 लाख रुपये का बाहरी ऋण लिया। SHG द्वारा प्राप्त ऋण राशि का तुरंत भुगतान किया जाता है और ऋण राशि को डेयरी, कृषि और अन्य आय-सृजन गतिविधियों जैसे आर्थिक गतिविधियों में निवेश किया जाता है। मेरे एसएचजी सदस्यों ने गांव में सभी ग्राम सभा बैठकों, गो- पूजा और विलक्कु पूजा में भाग लिया। एसएचजी में शामिल होने से पहले, सदस्यों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग नहीं लिया था और अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर थे। अब, सदस्य बचत, अपने बच्चों की शिक्षा, पशुओं की खरीद और आर्थिक गतिविधियों में अपने जीवनसाथी का समर्थन करने में शामिल हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह के सदस्य एड्स, कोविड-19, पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम, पशुधन उत्पादन, मृदा परीक्षण और जैविक खेती कार्यक्रमों में शामिल हैं। SHG के सदस्यों ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान मास्क का उत्पादन किया और पड़ोसियों को आपूर्ति की और मंदिर परिसर की सफाई में भाग लिया।

स्वयं सहायता समूह और उद्यम विकास कार्यक्रम :-

एसएचजी (S H G) के सदस्यतायों को निरंतर प्रशिक्षण, उद्यमशीलता, वितीय अनुशासन और पारस्परिक कौशल ने सदस्यों को उद्यमी बना दिया है। सूक्ष्म उद्यमों में शामिल एसएचजी के 60% से अधिक सदस्य बैंक ऋण का उपयोग करते हैं और शेष सदस्य आय-सृजन गतिविधियों में शामिल होते हैं। सुयसेवा द्वारा प्रदान किए गए निरंतर सहयोग और SSMFS द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं के कारण यह प्रभावी हुआ है।

संपर्क सूत्र: टी. एस. स्वामीनाथन
9940630123

प्रान्त: उत्तर असम

सेवा भारती पूर्वांचल एवं संजिवनी संघ द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर मलाइबारी, लक्खी मंदिर, कामरूप में आयोजित किया गया।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

सेवा भारती बिलासपुर द्वारा दिनांक 26 मई 2024 , रविवार को लाला लाजपत राय नगर स्कूल में नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं रक्त वर्ग परिक्षण शिविर आयोजित किया गया ।

प्रान्त: जम्मू

सेवा भारती जम्मू दिया कन्या छात्रावास बजाज सेवा धाम तलाब तिल्लो मां नया हाल का उद्घाटन किया गया जिसमें अ. भा. छात्रावास प्रमुख श्री जयदेव जी और जम्मू सेवा भारती की पूरी टीम उपस्थित रही।

प्रान्त:कर्नाटक दक्षिण

सेवा भारती कर्णाटक दक्षिण द्वारा चंदापुर बाग, चंदापुर नगर, सूर्या सिटी शाखा में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कुल एकत्रित रक्त यूनिट - 52

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005